Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

SA–324

B.A. (Part–III) Suppl. Examination, 2021

HINDI LITERATURE

Paper - II

(निबंध एवं भाषा)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– छः में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) भाषा की परिभाषा लिखते हुए उसकी **दो** विशेषताएँ बताइए।

   (ii) देवनागरी लिपि के **दो** गुण-दोषों पर प्रकाश डालिए।

(iii) हिन्दी निबंध की किन्हीं **दो** शैलियों के नाम बताते हुए उनकी विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(iv) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के तीन निबंध-संग्रहों के नाम लिखिए।

(v) क्रोध एवं बैर में भेद स्पष्ट कीजिए।

(vi) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध की वर्तमान में प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

(vii) 'जीने की कला' निबंध का मूल संदेश स्पष्ट कीजिए।

(viii) बाबू गुलाबराय ने सत्साहित्य किसे माना है ? समझाइए।

(ix) लेखक ने स्थान से भ्रष्ट मनुष्य को अशोभनीय क्यों कहा है ?

(x) दृढ़ मन का उत्तम गुण क्या है ? 'मन की दृढ़ता' निबंध के आधार पर बताइए।

खण्ड–ब

नोट :– निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** व्याख्याओं को सप्रसंग व्याख्यायित कीजिए। (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. गदहा पीट घोड़ा न हो सकेगा, ऐसा मानने वालों के मत का खंडन करना हमारा तात्पर्य नहीं है; किन्तु इसके साथ ही हम यह भी मानते हैं कि बुद्धि का काम मनुष्य को सत्कर्म-संबंधी शिक्षा देने से यही मालूम होता है कि यद्यपि जो बात प्रबल संस्कार के कारण या किसी दूसरे-दूसरे हेतु से देव ने ही किसी को नहीं दिया, वह बात हम उसमें न उपजा सकें, तो इतना करें कि सदुपदेश की परिणत दशा पर उसकी आँख तो खोल दें।

3. सामाजिक जीवन में क्रोध की जरूरत बराबर पड़ती है। यदि क्रोध न हो तो मनुष्य दूसरों के द्वारा पहुँचाए जाने वाले बहुत से कष्टों की चिर-निवृत्ति का उपाय ही न कर सके। कोई मनुष्य किसी दुष्ट के नित्य तो-चार प्रहार सहता है। यदि उसमें क्रोध का विकास नहीं हुआ है तो केवल आह-ऊह करेगा जिसका उस दुष्ट पर कोई प्रभाव नहीं। उस दुष्ट के हृदय में विवेक, दया आदि उत्पन्न करने में बहुत समय लगेगा।

4. मनुष्य किस ओर बढ़ रहा है ? पशुता की ओर या मनुष्यता की ओर ? अस्त्र बढ़ाने की ओर या अस्त्र काटने की ओर ? मेरी निर्बोध बालिका ने मनुष्य जाति से ही प्रश्न किया है—जानते हो, नाखून क्यों बढ़ते हैं ? वे हमारी पशुता के अवशेष हैं। मैं भी पूछता हूँ—जानते हो, ये अस्त्र-शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं ? ये हमारी पशुता की निशानी हैं।

5. ''ये दोनों कवि न तो कोरे भावनावादी हैं न कल्पनावादी; इनके काव्य में मानव-अनुभूतियों की यथार्थता सन्निविष्ट हुई है। दूसरे शब्दों में ये दोनों कवि सच्चे अर्थों में मानव-जगत् की स्थितियों और सहानुभूतियों के कवि हैं। इनके काव्य का केन्द्रीय तत्व जीवन को ऊपर से न देखकर उसके अंतरंग में जाकर देखने का है।''

6. पूर्व से पश्चिम तक और कैलाश से कुमारी तक इस विराट परिवर्तन के चिह्न हमें दृष्टिगोचर हो रहे हैं। मानो हमारे राष्ट्र के कल्पवृक्ष को किसी स्वर्गीय देवदूत ने अपने प्रसाद से छू दिया है, जिससे उसमें भावों और विचारों के नए-नए अनगिनत कोपल फूट रहे हैं। किसी अभूतपूर्व वायु ने सबके कानों में एक ही मंत्र फूंक दिया है, सबके हृदय में एक ही उछाह और अभिलाषा है, अर्थात् फिर से एक बार मातृभूमि के हृदय के साथ सानिध्य प्राप्त करना।

7. हमारे संस्कारों में जीवन के लिए आवश्यक सिद्धान्त ऐसे सूत्र में समा जाते हैं जो प्रयोगरूपी टीका के बिना न नष्ट हो पाते हैं और न उपयोगी। 'सत्यं ब्रूयात्' को हम सिद्धांत रूप में जानकर भी न अपना विकास कर सकते हैं और न समाज का उपकार; जब तक अनेक परिस्थितियों, विभिन्न स्थानों और विशेष कालों में उसका प्रयोग कर उसके वास्तविक अर्थ को न समझ लें—उसके यथार्थ रूप को हृदयंगम न कर लें।

खण्ड–स

8. 'क्रोध' शीर्षक निबंध की विषयवस्तु की समीक्षा कीजिए।

9. ''आज हिन्दू स्त्री शव के समान ही निस्पन्द है।'' इसका कारण बताते हुए लेखिका ने क्या कहा है ? 'जीने की कला' निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

10. 'तमाल के झरोखे से' शीर्षक निबंध में लेखक ने तमाल वृक्ष और मनुष्य में क्या अंतर बताया है ?

11. राजस्थानी-भाषा पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

12. 'हिन्दी कविता में राष्ट्रीय भावना' पर निबंध लिखिए।